

बिड़ला संस्थानों को औद्योगिक लाइसेंसों का दिया जाना

202. श्री रबी राय : क्या उद्योग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1974-75, 1975-76 के वर्षों और 1 अप्रैल, 1976 से 21 मार्च, 1977 तक के दौरान बिड़ला उद्योग समूह को कोई औद्योगिक लाइसेंस दिये गये थे, यदि हां, तो उनका व्यौरा क्या है ; और

(ख) क्या 21 मार्च, 1977 के बाद उन्हें कोई लाइसेंस दिये गये हैं ?

†[Industrial licences given to Birla concerns

202. SHRI RABI RAY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether any industrial licences were given to the Birla Group of Industries during the years 1974-75, 1975-76 and from the 1st April, 1976 to the 21st March, 1977, and if so, what are the details thereof; and

(b) whether any licences have been given to them after the 21st of March, 1977?]

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडीज) :

(क) और (ख) जी, हां। बिड़ला परिवार द्वारा नियन्त्रित कम्पनियों को 1 अप्रैल, 1974 से 21 मार्च, 1977 तथा 22 मार्च, 1977 से 30 जून, 1977 की अवधि में दिए गए औद्योगिक लाइसेंसों का व्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। [दिखिए परिशिष्ट 11 अनुबन्ध संख्या 18]

†[THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) and (b) Yes, Sir. The details of industrial licences given to companies controlled by Birla family for the period from the 1st April, 1974 to the

21st March, 1977 as also for the period from the 22nd March, 1977 to the 30th June 1977, are given in the attached statement. [See Appendix CII, Annexure No. 18].

‘सूर्य इंडिया’ नामक पत्रिका का प्रकाशन

203. श्री रबी राय : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली से प्रकाशित होने वाली ‘सूर्य इंडिया’ नामक अंग्रेजी की मासिक पत्रिका का प्रकाशन कब से प्रारम्भ हुआ ;

(ख) इसके मालिक और सम्पादक के नाम क्या हैं ;

(ग) प्रत्येक मास इस पत्रिका की कितनी प्रतियां छपती हैं और प्रति पृष्ठ विज्ञापन दर कितनी-कितनी है ; और

(घ) सरकारी विज्ञापनों के लिए विज्ञापनों के प्रभारों के रूप में इस पत्रिका को अब तक कितनी राशि का भुगतान किया जा चुका है ?

†[Publication of magazine
“SURYA INDIA” ..

203. SHRI RABI RAY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) when SURYA INDIA, an English monthly magazine published from Delhi commenced its publication;

(b) what are the names of its Proprietor and Editor;

(c) what is the number of copies of the magazine printed every month and what is the rate of advertisement per page; and

(d) what amount has so far been paid to the magazine towards advertisements charges for Government advertisements?]

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी): (क) अक्तूबर, 1976।

(ख) समाचार पत्र पंजीकरण नियम के नियम 6(1) के अधीन सूर्य इण्डिया द्वारा जनवरी, 1977 में भेजे गए वार्षिक विवरण के अनुसार, इसके मालिक मैसर्स यंग मैन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड है और संपादक श्रीमती मेनका गांधी।

(ग) इस पत्रिका द्वारा जून, 1977 तक प्रकाशित प्रतियों की औसत संख्या 30,032 थी। विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के माध्यम से इस पत्रिका को जारी किए गए सरकारी विज्ञापनों के लिए 4000/- रुपये प्रति पृष्ठ न्यून 15 प्रतिशत की दर पर भुगतान किया गया।

(घ) इस पत्रिका को पूरे पृष्ठ के दो विज्ञापन 4000/- रुपये प्रति पृष्ठ न्यून 15 प्रतिशत एजेंसी कमीशन, की दर पर जारी किए गए, और 6,800 रुपये की राशि का भुगतान किया गया।

†[THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI LAL K. ADVANI): (a) October 1976.

(b) As per the annual statement furnished in January 1977 by *Surya India* under Rule 6(i) of the Registration of Newspaper Rules, the proprietors are M/s Young Man Printers and Publishers Private Limited and the Editor Shrimati Maneka Gandhi.

(c) The average number of copies printed by the magazine upto June 1977 was 30,032. Government advertisements released to the magazine through D.A.V.P. were paid at the rate of Rs. 4000/- per page less 15 per cent.

(d) Two full page advertisements were released to the magazine at the rate of Rs. 4000/- per page, less 15 per cent agency commission, and a sum of Rs. 6,800 has been paid.]

सरकारी कर्मचारियों का नौकरी से हटाया जाना

204. श्री रबी राय : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाल की आपात स्थिति के दौरान कुछ अधिकारियों को भ्रष्टाचार और अयोग्यता के आधार पर नौकरी से हटाने के बारे में मंत्रालयों/विभागों को निदेश देते हुये कोई आदेश जारी किये थे;

(ख) यदि हां, तो उक्त आदेशों में क्या कहा गया था; और

(ग) उस अवधि के दौरान उक्त आधारां पर सेवा से हटाये गये कर्मचारियों की संख्या कितनी है ?

†[Removal of Government employees

204. SHRI RABI RAY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government had issued any orders during the recent emergency period directing Ministries/Departments to remove some officers from service on grounds of corruption and inefficiency;

(b) if so, what are the contents of the said orders; and

(c) what is the number of employees who were removed from service during that period on the said grounds?]

गृह मंत्री (श्री चरण सिंह) : (क) तथा (ख) सरकार ने हाल की आपात स्थिति के दौरान कुछ अधिकारियों को भ्रष्टाचार और अयोग्यता के आधार पर नौकरी से हटाने के बारे में मंत्रालयों/विभागों को निदेश देते हुए कोई आदेश जारी नहीं किए थे। परन्तु मन्त्रालयों/विभागों का ध्यान, लोकहित में सरकारी कर्मचारियों को समयपूर्व सेवा